दिल्ली पब्लिक स्कूल ,जम्मू

सत्र (2019–20)

पुनरावृत्ति कार्य

कक्षा : नवीं

विषय : हिंदी–ब (Code-085)

सामान्य निर्देश :

1. *अभ्यास पत्र के चार खंड हैं – खंड क , ख, ग तथा घ ।*
2. *प्रत्येक खंड का उत्तर देना अनिवार्य है। प्रश्नों के उत्तर देते हुए प्रश्नों के न० अवश्य लिखिए।*
3. *एक अंक के प्रश्नों के उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।*
4. *दो अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।*
5. *तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।*
6. *पाँच अंकों के प्रश्नों के उत्तर लगभग 120–150 शब्दों में लिखिए।*

खंड – क

(1) निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

वास्तव में मनुष्य स्वयं को नहीं देख पाता। उसके नेत्र दूसरों के चरित्र को देखते हैं , उसका हृदय दूसरों के दोषों को अनुभव करता है। उसकी वाणी दूसरों के अवगुणों का विश्लेषण कर सकती है , किंतु उसका अपना चरित्र , उसके अपने दोष एवं उसके अवगुण , मिथ्याभिमान और थोथे आत्मगौरव के काले आवरण में इस प्रकार प्रच्छन्न रहते हैं कि जीवन पर्यंत उसे दृष्टिगोचर ही नहीं हो पाते । इसलिए मनुष्य स्वयं को सर्वगुण–संपन्न देवता समझ बैठता है। क्षुद्र व्यक्ति एवं मस्तिष्क अपनी क्षुद्र सीमा से किसी भी वस्तु का सही मूल्य आँकने में असमर्थ रहते हैं। इसलिए व्यक्ति स्वयं द्वारा जितना छला जाता है , उतना किसी और द्वारा नहीं।

आत्म–विश्लेषण करना कोई सहज कार्य नहीं। इसके लिए अंत्यत उदारता , सहनशीलता एवं महानता की आवश्यकता होती है । इसका तात्पर्य यह नहीं कि आत्म–विश्लेषण मनुष्य कर ही नहीं सकता। अपने गुणों–अवगुणों की अनुभूति मनुष्य को सदैव रहती है। अपने दोषों को मानने के लिए तैयार न रहना ही उसकी दुर्बलता है और यही उसे आत्म –विश्लेषण की क्षमता नहीं दे पाती । उसमें इतनी उदारता और हृदय की विशालता ही नहीं होती कि वह अपने दोषों को स्वयं देखकर कह सके। इसके विपरीत परनिंदा एवं परदोष –दर्शन में अपना कुछ नहीं बिगड़ता , उलटे मनुष्य आनंद अनुभव करता है , परंतु आत्म विश्लेषण करके अपने दोष देखने से मनुष्य के अंहकार को चोट पहुँचती है।

1) मनुष्य स्वयं को क्यों नहीं देख पाता ?
2) मनुष्य स्वयं को सर्वगुण संपन्न देवता क्यों समझता है ?
3) आत्म – विश्लेषण के लिए क्या आवश्यक है ?
4) मनुष्य में आत्म– विश्लेषण की क्षमता क्यों नहीं आ पाती ?
5) परनिंदा क्यों सरल है ?
6) मनुष्य आनंद अनुभव कब करता है ?

खंड –ख

(2) निम्नलिखित प्रश्नों का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : –

(क) अनुभूति (वर्ण–विच्छेद कीजिए)

(ख) द् + अ + क् + ष् + इ + ण् + आ (शब्द बनाइए)

(ग) अत्यत , गुजायमान (उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए)

(घ) महिलाए , पाखड (उचित शब्द में अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए)

(ड.) क्रोध , बर्फीली (उचित शब्द में अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए)

(3) (क) सन्धि कीजिए :–

(1) हित + उपदेश (2) नमः + ते

(ख) संधिविच्छेद कीजिए :–

(1) यथेष्ट (2) भगवद्गीता

(4) (क) निम्नलिखित शब्दों के उपसर्ग व मूल शब्द छाँटिए :–

आशंका , स्वाधीन

(ख) निम्नलिखित शब्द के मूल शब्द व प्रत्यय छाँटिए :–

औपचारिक

(5) उचित स्थान पर विराम चिह्न लगाइए :–

1) दिनेश अमेरिका नहीं जा सका क्योंकि उसका पासपोर्ट नहीं बन पाया

2) हे भगवान हमारी रक्षा करना

3) नहीं मैंने बिना किसी हिचकिचाहट के उत्तर दिया

4) तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री

खंड ग

(6) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन का यथायोग्य उत्तर दीजिए :–

(क) लेखक ने बुढ़िया के दुखः का अंदाज़ा कैसे लगाया ?

(ख) अतिथि के आने पर लेखक का बटुआ अंदर–ही –अंदर क्यों काँप गया ?

(ग) महादेव भाई के लेख व लिखावट की क्या विशेषताएँ थीं ?

(घ) धर्म के स्वरुप के बारे में आपका क्या विचार है ?

(7) एवरेस्ट अभियान में लेखिका के साथ जो मृत्यु तुल्य घटना घटित हुई , उसका वर्णन करते हुए बताइए कि किसने उनकी जान बचाई ?

अथवा

कीचड़ सूखकर किस प्रकार का दृश्य उपस्थित करता है ? ‘ कीचड़ का काव्य ’ पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

(8) रहीम के दोहों में किस प्रकार की भाषा शैली का प्रयोग हुआ है ?

अथवा

एक फूल की चाह कविता के आधार पर सुखिया के पिता की विवशता वर्णन कीजिए।

(9) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही तीन का यथायोग्य उत्तर दीजिए :–

(क) रैदास के स्वामी क्या–क्या कार्य करते हैं?

(ख) आदमी को बादशाह किस संदर्भ में कहा गया है ?

(ग) ' अग्नि पथ ' कविता में कवि क्या आहवान् करता है ?

(घ) कवि को किसका भरोसा नहीं रहा और क्यों ? कविता ' नए इलाके में ' के आधार पर बताइए।

(10) निम्नलिखित प्रश्नों का यथायोग्य उत्तर दीजिए :–

(क) स्मृति पाठ के आधार पर बताइए कि जीवन में साहस का क्या महत्तव है ?

(ख) ' दिए जल उठे ' पाठ के आधार पर सरदार वल्लभ भाई पटेल के चरित्र की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खंड घ

(11) आप 11/50 प्रताप नगर दिल्ली में रहने वाली मानसी /मानस हैं। किक्रेट मैच में में विशेष उपलब्धि पर आपकी सखी/मित्र रवीना /रवीन ने आपको बधाई भेजी है। उसे धन्यवाद देते हुए पत्र लिखिए।

अथवा

आपके मित्र /सखी के घर में एक दस वर्ष का बालक घरेलू नौकर के रुप में काम करता है। उसे बाल श्रम के कानूनी अपराध की जानकारी देते हुए पत्र लिखिए।

(12) दिए गए विषयों में से किसी एक विषय पर (80–100 शब्दों) में अनुच्छेद लिखिए :–

(क) जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन

संकेत बिंदु –

- संगति का महत्त्व
- सत्संगति से निर्मल चरित्र का निर्माण
- ऐतिहासिक उदाहरण
- कुसंगति का प्रभाव

(ख) साक्षरता अभियान

संकेत बिंदु –

- साक्षरता से तात्पर्य
- साक्षरता का महत्त्व
- देश के विकास में इसका योगदान

(ग) प्रदूषण से निजात : कचरा प्रबंधन

संकेत बिंदु –

- कचरे की वर्तमान स्थिती
- कचरे का दुष्प्रभाव
- कचरा प्रबंधन की आवश्यकता

(13) यातायात संबधी नियमों की जानकारी देते हुए अध्यापिका व छात्र में संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

अथवा

दूरदर्शन के कार्यक्रमों के विषय में पिता और पुत्री के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50 शब्दों में लिखिए।

(14) स्वच्छ भारत अभियान संबंधी एक विज्ञापन तैयार कीजिए।

अथवा

ए०बी०सी० कंपनी को 1 वर्ष के अनुबंध पर ए०सी० मैकेनिक की आवश्यक्ता है। इसके लिए विज्ञापन बनाइए।

(15) दिए गए चित्र को देखकर 20–30 शब्दों उनका वर्णन कीजिए –